भारत सरकार

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3229

(दिनांक 13.03.2020 को उत्तर देने के लिए)

दूरदर्शन के विज्ञापनों से सृजित राजस्व

3229. श्री असादुद्दीन ओवैसीः
श्री सय्यद ईमत्याज ज़लीलः

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गत तीन वर्षों के दौरान विज्ञापनों के माध्यम से दूरदर्शन द्वारा कुल कितने राजस्व का सृजन किया गया है;

(ख) क्या यह सच है कि दूरदर्शन नेटवर्क की व्यापक पहुंच होने पर भी विज्ञापनों से राजस्व सृजन बहुत कम है;

(ग) यदि हां, तो क्या दूरदर्शन को अपनी विषय-वस्तु का पुनर्निर्धारण करने तथा और अधिक दर्शक आकर्षित करने की आवश्यकता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या राजस्व जुटाने और अधिक विज्ञापन प्राप्त करने के लिए बेहतर गुणवत्ता विषय वस्तु के साथ दूरदर्शन के क्षेत्रीय और राष्ट्रीय चैनलों के पुनर्निर्धारण की कोई योजना है; और

(ङ) इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं अथवा उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन; सूचना और प्रसारण तथा भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री

(श्री प्रकाश जावडेकर)

(क) और (ख): विगत तीन वर्षों के दौरान दूरदर्शन के सभी चैनलों पर विज्ञापन के जरिये सहित दूरदर्शन (डीडी) द्वारा अर्जित वणिज्यिक राजस्व निम्नानुसार हैः-

(करोड़ रुपये में)

वित्तीय वर्ष	डीडी चैनलों पर विज्ञापन के जरिये अर्जित राजस्व	अन्य राजस्व	डीडी द्वारा अर्जित कुल वाणिज्यिक राजस्व
2016-17	563.15	265.32	828.47
2017-18	607.08	277.31	884.39
2018-19	553.55	412.95	966.50

(ग) से (ङ): बदलते समय के साथ-साथ दर्शकों की रुचियों और आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए दूरदर्शन के चैनलों की सामग्री का पुनर्निर्धारण करना एक सतत प्रक्रिया है।

इस संबंध में, प्रसार भारती की इसके दूरदर्शन चैनलों के लिए लाइसेंस प्राप्त रेडी-मेड ऑडियो-विजुअल सामग्री के अधिग्रहण की योजना है जिससे कि इसके दर्शक अलग-अलग तरह की सामग्री देख सकें। इसके अलावा, प्रसार भारती राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दूरदर्शन चैनलों पर स्लाट्स के ई-नीलामी आधारित मूल्य निर्धारण की योजनाओं को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है जिससे कि इसके चैनलों में विभिन्न विधा-समय आधार पर प्रतिस्पर्धात्मक रूप से दर्शकों को गुणवत्ता युक्त कार्यक्रम मिल सकें।

इसके अतिरिक्त, स्टूडियों में वीडियों वॉल्स लगाने और एचडी उन्नयन के चल रहे प्रयासों से भी दर्शकों को आकर्षित करने में काफी सहायता मिलेगी।

****